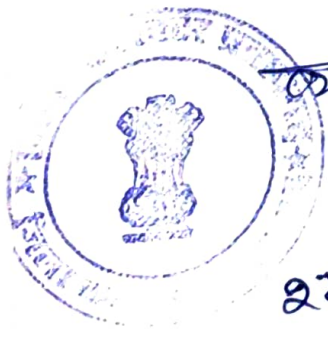


84
22

पत्रावली पेश हुई प्रार्थना पत्र विपक्षी रिस्पॉन्ड
संख्या-1 दिनांक 17/09/2021 के अनुसार
प्राप्तुत जमील में वर्णित विवादकों के
विपक्ष जमीलार्यो द्वारा एक वाद पूर्व से
ही माननीय वरिष्ठ सिविल न्यायालय कोर्टीसादी
के समक्ष जरिये प्रकण संख्या 08/2021 घोषणा
दित्री एवं स्याई निवेदाज्ञा हेतु दिनांक 8/2/2021
से प्राप्तुत किया हुआ है। उक्त प्रकण में
दिनांक 16/02/2021 को माननीय सक्षम न्यायालय
द्वारा विवादशान्त सम्पत्ती के राजस्व रिकार्ड
की श्रधास्थिति बनाये रखने हेतु स्थगन
आदेश जारी किया हुआ है।

प्राप्तुत जमील विरुद्ध नामान्तरकरण संख्या
2335 दिनांक 20/11/2020 के विरुद्ध दिनांक
15/2/2021 को प्राप्तुत की गई है।
चूंकि विचारण न्यायालय के समक्ष विचारण
बिन्दु "नामान्तरकरण" से संबंधित है जो एक
सरसरी काप्रवाही होकर सिन्ही पत्तकारों के एक
अधिकारों का निर्धारण नहीं करती है, अर्थात्
(Mutation is only a fiscal enquiry of land record.)



प्रश्नगत झमील में विवादित "नामान्तरकरण"
 पंजीकृत दस्तावेजों के अध्याधीन निष्पादित
 किए गए हैं इसलिए जब तक पंजीकृत विषय
 पत्रों की वैधता और अर्थानिकता का निर्णय
 सक्षम न्यायालय द्वारा नहीं कर लिया जाता
 तब तक "नामान्तरकरण" कार्रवाही के लिए
 प्रस्तुत झमील का निर्धारण प्रश्नगत नामान्तरकरण
 से प्रमाणित झुपियों सङ्गपत्तियों के लिए
 सक्षम न्यायालय में पूर्व से नियमित वाद
 के विचाराधीन रहते अधिनिर्णय किया जाना
 स्वीकार्य नहीं होगा। होवानी प्रक्रिया संविदा
 1908 की धारा 10-11 के अनुसार भी
 नियमित वाद के विचाराधीन रहते समरी
 झायल के प्रकरणों का विचारण इच्छित नहीं है।

दिनांक

अतः प्रकरण में रेस्पॉण्डेंट संख्या - 1 द्वारा

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है
 एवं प्रस्तुत झमील झमीलार्थ उपरोक्त झुपियों
 के परिपेक्ष्य में स्वारीज की जाती है। पत्रावली
 फंसल शुमार होकर नम्बर से क्रम ली।




 जिला कलेक्टर
 प्रतापगढ़ (साज.)